PRESS RELEASE
31th July -1st August, 2018

A 2 days Hand-on workshop on

AAAS

"Alert- Aware-Action-Survival"

A comprehensive skill Programme for State Disaster Response Force U.P. (SDRF) PERSONNEL

Day 1

Emergency, Trauma and Disasters such as accident, flood, bomb explosions and arson cause a sense of vulnerability. Natural disasters such as hurricanes, floods, tornadoes and fires all cause specific damage and chaos. A strong police presence in both situations may help ease fears and help prevent others from taking advantage of the situation.

SDRF, U.P. organization has to see itself as a major player in emergency & disaster management to reduce the morbidity and mortality rate. It will continue to have the first responder role given its proximity to the incident site and relationship with the people. Therefore it has to bring about change in its approach. It has to adopt basic management function for emergency & disaster as a one of its primary functions. State & district level authorities cannot afford to wait for response specialized forces such as NDRF all the time. Moreover, on many occasions, it might not be advisable or feasible to obtain/deploy armed forces and NDRF. Hence state police must be prepared as response force.

Hence an initiative **"AAAS" (Aware-Alert-Action-Survival) - A comprehensive skill Programme** was taken by Department of Trauma Surgery (Dr. Sandeep Tiwari, Prof. & Head), King George's Medical University in collaboration with Centre for Advance skill Development (Dr. Vinod Jain, Dean, Institute of Paramedical Sciences) and team consisting of Dr. G.P. Singh, Department of Anaesthesia, Dr. Kirti Srivastava ,Professor ,Department of Radiotherapy, Dr. Samir Misra, Associate Professor, Department of Trauma Surgery, Dr. Rajeev Misra ,Program Coordinator.

The main objective of the **"AAAS"** is to train the SDRF personnel so that they can play supporting role to the specialist forces if and when they come in bigger emergency cases.

The 2 days' workshop was start on 31st July, 2018 at 8:30 am with the welcome note by Programme in-charge (expert) Prof Sandeep Tiwari with the training and learning protocol by leading experts of KGMU like Dr Samir Misra (Associate Professor, Department of Trauma Surgery) Dr Anita Singh (Assistant Professor, Department of Trauma Surgery), Dr Yaduvendra Dheer (Assistant Professor, Department of Trauma Surgery), Dr Vinod Jain (Dean,General Surgery & Skill development,King George Medical University), Dr. Hemlata(Department of Anaesthesiology), Dr. Prem Raj(Department of Anaesthesiology), Dr. Kirti Srivastava(Department of Radiotherapy), Dr. Monika Kohli (Department of Anaesthesiology), Dr. Vikram Verma. (Department of Orthopedic Surgery), Dr. Saumya Singh (Department of Surgery (General)).

Topic cover in 2 days **"AAAS" Programme** are Life saving Techniques, Disaster Risk Reduction, Post disaster Waste Material Management, Health Care Management during Disasters, Trauma prevention & management.

First day was end with the training & techniques of choking (prevention & management) by Dr Hemlata

Day 2

Second day started with the revision of the first day topic with Question and Answer session by Dr Rajeev Misra and lecture on the topic Safe Transfer by Dr Samir Misra.

In the second phase of day two, closing ceremony of the workshop presided by the speech of our Hon'bleVice Chancellor KGMU **Prof M L B Bhatt**. Welcome note by Prof Sandeep Tiwari with saraswati vandana & lamp lighting. The Chief Guest of the Event Mr O.P Singh (IPS) DGP along with some other dignitaries Shri R.K Vishwakarma (ADG PAC), Mr Satish Ganesh (IG PAC), Shri Satish Ganesh (IG PAC) & Shri Hemant Kutiyal (Commandent SDRF) were also present.

The workshop was end with the post assessment questionnaire & feedback from the participants.

The full focus of the workshop was on different challenges in the field of Life saving techniques, Disaster Preparedness and Management, Health waste management, & Trauma Prevention & management along with current updates. More than 100 SDRF personnel participated in the workshop. Lastly, this program has become an excellent opportunity to learn about different technique and management in the emergency situation.

Prof. Sandeep Tiwari,
Expert & Programme In-charge (AAAS),
Head Trauma Surgery Department, KGMU, U.P.

प्रेस विज्ञप्ति
31st **जुलाई**- 1st **अगस्त**
2018

2 दिन प्रशिक्षण कार्यशाला

एएएएस
(अलर्ट-अवेर-एक्शन-सर्विवल)

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) कार्मिक के लिए।

पहला दीन

आपातकालए आघात और आपदाएं जैसे दुर्घटनाए बाढ़ए बम विस्फोट और आग लगने से भेद्यता की भावना पैदा होती है। प्राकृतिक आपदाएं जैसे तूफानए बाढ़ और आग सभी विशिष्ट क्षति और अराजकता का कारण बनती हैं। दोनों स्थितियों में एक मजबूत पुलिस उपस्थिति डर को कम करने में मदद कर सकती है और दूसरों को स्थिति का लाभ उठाने से रोकने में मदद कर सकती है।एसडीआरएफएयूपी विकृति और मृत्यु दर को कम करने के लिए संगठन को खुद को आपातकालीन और आपदा प्रबंधन में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखना होगा। इसे घटना स्थल और लोगों के साथ संबंधों के निकट से होने वाली पहली प्रतिक्रियाकर्ता भूमिका जारी रहेगी। इसलिए इसे अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना है।

इसे अपने प्राथमिक कार्यों में से एक के रूप में आपातकालीन और आपदा के लिए बुनियादी प्रबंधन कार्य को अपनाना है। राज्य और जिला स्तर के अधिकारी हर समय एनडीआरएफ जैसे विशेष बल की प्रतिक्रिया के लिए इंतजार नहीं कर सकते हैं।

इसके अलावाए कई मौकों परए सशस्त्र बलों और एनडीआरएफ को प्राप्त / तैनात करने के लिए सलाह दी जा सकती है संभव नहीं है। इसलिए राज्य पुलिस को प्रतिक्रिया बल के रूप में तैयार किया जाना चाहिए।

इसलिए एक पहल "एएएएस" (जागरूकता-अलर्ट-एक्शन-उत्तरजीविता) - किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ट्रामा सर्जरी विभाग (डॉ संदीप तिवारीए प्रोफेसर एंड हेड) और सेंटर फॉर अग्रिम कौशल विकास (डॉ विनोद जैनए डीनए पैरामेडिकल साइंसेज संस्थान) से मिलकर टीम डॉ। जीपी सिंहए एनेस्थेसिया विभागए डॉ। किर्ती श्रीवास्तवए प्रोफेसरए रेडियोथेरेपी विभागए डॉ समीर मिश्राए एसोसिएट प्रोफेसरए ट्रामा सर्जरी विभागए डॉ। राजीव मिश्राए कार्यक्रम समन्वयक के सहयोग से एक व्यापक कौशल कार्यक्रम किया गया था।

"एएएएस" का मुख्य उद्देश्य एसडीआरएफ कर्मियों को प्रशिक्षित करना है ताकि वे बड़े आपातकालीन मामलों में आने पर विशेषज्ञ बलों को सहायक भूमिका निभा सकें।

2 दिन की कार्यशाला 31 जुलाईए 2018 को सुबह 8:30 बजे प्रोफेसर संदीप तिवारी (विशेषज्ञ) द्वारा स्वागत नोट के साथ शुरू हुई और केजीएमयू के प्रमुख विशेषज्ञों समीर मिश्रा (एसोसिएट प्रोफेसर) डॉ अनीता सिंह (सहायक प्रोफेसर घात विभाग सर्जरी विभाग)ए डॉ यदुवेन्द्र धीर (सहायक प्रोफेसरए आघात विभाग) डॉ विनोद जैन (डीनए जनरल सर्जरी एंड स्किल डेवलपमेंटए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी) डॉ हेमलाता (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग)ए डॉ प्रेम राज (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग) डॉ किर्ती श्रीवास्तव (रेडियोथेरेपी विभाग) डॉ मोनिका कोहली (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग)ए डॉ विक्रम वर्मा। (आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग) डॉ सौम्य सिंह (सर्जरी विभाग (सामान्य)) द्वारा प्रशिक्षण और प्रोटोकॉल के साथ समाप्त हो गई ।

2 दिनों "एएएएस" कार्यक्रम में विषय जीवन बचत तकनीकोंए आपदा जोखिम में कमीए पोस्ट आपदा अपशिष्ट सामग्री प्रबंधनएआपदाओं के दौरान स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधनएआघात रोकथाम और प्रबंधन हैं। पहला दिन डॉ हेमलाता द्वारा चोकिंग (रोकथाम और प्रबंधन) के प्रशिक्षण और तकनीकों के साथ समाप्त हुआ था

दूसर दीन

दूसरे दिन डॉ राजीव मिश्रा द्वारा प्रश्न और उत्तर सत्र के साथ पहले दिन के विषय में संशोधन और डॉ समीर मिश्रा द्वारा सुरक्षित हस्तांतरण विषय पर व्याख्यान शुरू हुआ।

दो दिन के दूसरे चरण मेंहमारे माननीयवाइस चांसलर केजीएमयू प्रोफेसर एम एल बी भट्ट के भाषण की अध्यक्षता में कार्यशाला का समापन समारोह सरस्वती वंदना और दीपक प्रकाश व्यवस्था के साथ प्रोफेसर संदीप तिवारी द्वारा आपका स्वागत हुआ ।

घटना के मुख्य अतिथि श्री ओपी सिंह (आईपीएस) डीजीपी के साथ कुछ अन्य गणमान्य व्यक्ति श्री आरके विश्वकर्मा (एडीजी पीएसी) श्री सतीश गणेश (आईजी पीएसी) श्री सतीश गणेश (आईजी पीएसी) और श्री हेमंत कुटियाल (कमांडेंट एसडीआरएफ) भी मौजूद थे।

कार्यशाला मूल्यांकन प्रश्नावली और प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया के साथ समाप्त हो गई । कार्यशाला का पूरा ध्यान जीवन बचत तकनीकों आपदा तैयारी और प्रबंधनस्वास्थ्य अपशिष्ट प्रबंधनऔर आघात रोकथाम और प्रबंधन के मौजूदा अपडेट के साथ-साथ विभिन्न चुनौतियों पर था।

कार्यशाला में 100 से अधिक एसडीआरएफ कर्मियों ने भाग लिया। अंत में यह कार्यक्रम आपात स्थिति में विभिन्न तकनीक और प्रबंधन के बारे में जानने का एक उत्कृष्ट अवसर बन गया।..